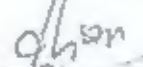


उत्तरांचल शासन
वित्त विभाग-2
संख्या 29/जी.एन.डी./XXX-(2)/2004
देहरादून दिनांक 06-09-2004

अधिसूचना

उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम 1994 की धारा-13 के अर्थानुसार शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल महोदय अधिसूचना संख्या 22/16-92-का-2-1995 दिनांक 08 दिसम्बर, 1995 को अनुसूची-2 (6) को स्तम्भ-1 के स्थान पर स्तम्भ-2 के अनुसार संशोधित करते हैं :-

स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
<p>छ:- आय या सम्पत्ति मानदण्ड</p> <p>निम्नलिखित के पुत्र या पुत्रियाँ— (क) ऐसे व्यक्ति जिनकी निम्नतर तीन वर्ष की अवधि के लिए सकल वार्षिक आय एक लाख रुपये या इससे अधिक हो या निम्नतर पाँच सप्ताह जर्जोनेयम्, 1957 में यथा विहित छूट सीमा से अधिक सम्पत्ति हो।</p> <p>(ख) श्रेणी एक, दो, तीन या पाँच (क) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति जो आरक्षण के लाभ का अभाव न हों किन्तु जिनकी अन्य स्रोतों से आय इतनी हो जो उन्हें ऊपर उप-श्रेणी (क) में विनिर्दिष्ट मानदण्ड के भीतर लाती हो।</p> <p>स्पष्टीकरण— इस श्रेणी के प्रयोजनों के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि— (ए) वेतन या कृषि भूमि से आय को विज्ञापन नहीं जायेगा। (बी) रुपये के अनुसार आय मानदण्ड दस लाख तीन वर्ष में उसके मूल्य परिवर्तन का ध्यान में रखकर उपान्तरित किया जायेगा, परन्तु यदि रिपोर्ट की ऐसी मांग हो तो इसका अन्तराल कम भी हो सकता है।</p>	<p>छ:- आय या सम्पत्ति मानदण्ड</p> <p>(क) उन व्यक्तियों के पुत्र और पुत्रियाँ, जिनकी लगातार तीन वर्षों में कुल वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये अथवा उससे अधिक है अथवा जो सम्पत्ति कर अधिनियम में यथा-निर्धारित छूट की सीमा से अधिक सम्पत्ति रखते हैं।</p> <p>(ख) श्रेणी I, II, III और V क में आने वाले ऐसे व्यक्तियों के पुत्र और पुत्रियाँ जो आरक्षण का लाभ पाने के हकदार हैं, परन्तु जो अन्य स्रोतों से आय अथवा सम्पत्ति रखने के कारण उपर्युक्त (क) में उल्लिखित आय/सम्पत्ति के मानदण्ड के अन्तर्गत आते हैं।</p> <p>स्पष्टीकरण— वेतन अथवा कृषि भूमि से प्राप्त आय को नहीं जोड़ा जायेगा।</p>

अज्ञा से,

(नृप सिंह-नपलव्याल)
प्रमुख सचिव।

संख्या 29/जी.एन.डी./XXX-(2)/2004, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-


1. सचिव प्रमुख सचिव/सचिव/अन्य सचिव, उत्तरांचल शासन।

क्रमसं-2

Modification/11.K.

2. सी.डी. श्री राज्यपाल, उत्तरांचल ।
3. समस्त मण्डलाध्यक्ष/जिलाधिकारी, उत्तरांचल ।
4. समस्त विभागाध्यक्ष/ प्रमुख कार्यालयध्यक्ष, उत्तरांचल ।
5. सचिव, विधान सभा, उत्तरांचल ।
6. सचिव, राज सेवा आयोग, उत्तरांचल हरिद्वार ।
7. सचिवालय के समस्त अनुभाग ।
8. निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री रुड़की (हरिद्वार) को नियमावली की हिन्दी, अंग्रेजी प्रतियों को सत्यापन करते हुए इस निर्देशन के साथ प्रेषित कि कृपया नियमावली को असाधारण गजट विधायी अधिसूचना भाग-4 खण्ड-क में मुद्रित करा कर इसकी 500 प्रतियाँ कार्मिक अनुभाग-2 को उपलब्ध कराने का कष्ट करें ।

आज्ञा से


(आर. सी. लोहणी)
उप सचिव ।